सी.बी.सी.एस. पैटर्न पर संस्कृत पाठ्यक्रम की संरचना हेतु एस.के.एम. विश्वविद्यालय, दुमका द्वारा गठित समिति के सदस्य

1. बाहय् प्रर्यवेक्षक

   उॉ0 तुलाकृष्णा झा,

   अवकाश प्राप्त प्रो0 एवं अध्यक्ष,

   विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग,

   तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, बिहार।

2. अध्यक्ष

   डॉ0 भोला मिश्रा,

   स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, देवघर

   महाविद्यालय, बी. देवघर।

3. डॉ0 अखिलेश कुमार

   वरीष्ठ व्याख्याता, स्नातकोत्तर,

   संस्कृत विभाग, देवघर महाविद्यालय, बी. देवघर।

4. डॉ0 अन्जु ठाकुर, सहायक प्रध्यापिका,

   संस्कृत विभाग, देवघर महाविद्यालय, बी. देवघर।

सी.बी.सी.एस. पैटर्न की संरचित स्नातकोत्तर संस्कृत पाठ्यक्रम की नियमावली :–

1600 अंकों वाले द्विवर्षीय एम.ए. संस्कृत पाठ्यक्रम को सी.बी.सी.एस. पैटर्न पर चार समसत्रों में विभक्त कर दिया गया है और प्रत्येक समसत्र में 400 अंकों को रखा गया है, जिनमें 100 के एक पत्र 70+30 अंकों में विभक्त हैं। 30 अंकों प्राप्ति को आंतरिक परीक्षा के निमित रखा गया है, जबकि प्रत्येक छः महीने के अन्तराल पर विश्वविद्यालय द्वारा End Semester के अंतर्गत 70 अंकों की परीक्षा नियोजित की जायेगी।

समसत्र के प्रत्येक पत्र विषय कोड के द्वारा सांकेतिक होंगें। जिनमें प्रत्येक समसत्र के चार पत्रों को SNK-101, 102, 103 एवं 104 IInd Semester SNK 201, 202, 203 एवं 204, 3rd Semester SNK- 301, 302, 303 एवं 304 तथा 4th Semester के पत्र SNK - 401, 402, 403 एवं 404 के नाम से जाना जायेगा।

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, सि0 का0 मु0 वि0 वि0, दुमका

सत्र 2017–18 से प्रभावी पाठ्यक्रम

(सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम आधारित)

एम0 ए0 प्रथम सेमेस्टर (संस्कृत)

इसके अंतर्गत कुल चार अनिवार्य पत्र होंगें, जिसमें प्रत्येक पत्र का पूर्णांक 70 (सत्तर) अंकों का एवं परीक्षा की अवधि तीन घंटे की होगी। आन्तरिक परीक्षा 30 (तीस) अंकों की होगी।

30 अंकों का विभाजन –

लिखित परीक्षा – 20 अंक + 5 अंक (दैनन्दिन मूल्यांकन) + संगोष्ठी – 5 अंक

पत्र	विषय कूटांक	पाठ्यक्रम प्रकृति	पाठ्यक्रम खण्ड	क्रेडिट संख्या	प्रति सप्ताह अध्यापन (घंटों में)	न्यूनतम अध्ययन अपेक्षित
1	SNK-101	विषयाधार	सामान्य संस्कृत	5	5	60
2	SNK-102	अनिवार्य	वेद	5	5	60
3	SNK-103	अनिवार्य	दर्शन	5	5	60
4	SNK-104	अनिवार्य	संस्कृत व्याकरण	5	5	60

पत्र SNK-101

विषयाधार

1. पंचतंत्र – विष्णु शर्मा
2. संज्ञा प्रकरण – लघु सिद्धान्त – कौमुदी आधारित
3. सन्धि प्रकरण – लघु सिद्धान्त – कौमुदी आधारित
4. कारक प्रकरण – लघु सिद्धान्त – कौमुदी आधारित

खण्ड – ''क''

''पंचतन्त्र'' में से पूछे गए दो आलोचनात्मक प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 14 अंक

खण्ड– ''ख''

पूछे गए दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की संस्कृत में व्याख्या करनी चाहिए 10 अंक

खण्ड– ''ग''

संज्ञा–प्रकरण

पूछे गए चार सूत्रों में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या करनी होगी – 5x2=10 अंक

खण्ड– ''घ''

सन्धि प्रकरण

पूछे गए चार सूत्रों में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या करनी होगी। – 5x2=10 अंक

खण्ड– ङ

कारक प्रकरण –

पूछे गए चार सूत्रों में से किसी दो सूत्र की व्याख्या करनी होगी – 5x2=10 अंक

खण्ड– च

''पंचतंत्र'' संज्ञा, सन्धि एवं कारक – प्रकरण से पूछे गए दो–दो लघु उत्तरीय प्रश्नों में से प्रत्येक से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 4x4=16 अंक

पत्र SNK-102

(दि न्यू वैदिक सेलेक्शन भाग–1) तैलंग एवं चौबे (भारतीय विद्याभवन, वाराणासी)

पाठ्यांश

ऋग्वेद

अग्नि – 1.1

सवितृ – 1.35

इन्द्र – 2.12

हिरण्यगर्भसूक्त – 10.121

यजुर्वेद

शुक्ल यजुर्वेद –

पुरूष सूक्त – X X I - 1-16

शिव संकल्प – X X X I V - 1-6

अथर्ववेद

पृथिवी सूक्त – XII.I

वैदिकी प्रक्रिया

(प्रथम अध्याय मात्र)

खण्ड– ''क''

पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक देवता का परिचय देना होगा 14 अंक

खण्ड – ''ख''

पूछे गए दो मंत्रों में से किसी एक मंत्र की संस्कृत में व्याख्या करनी होगी। 14 अंक

खण्ड– ''ग''

पूछे गए चार मंत्रों में से किन्हीं दो मंत्रों का हिन्दी में अनुवाद करना होगा। 7x2=14 अंक

खण्ड– ''घ''

वैदिकी प्रक्रिया – इसमें पूछे गए चार सूत्रों में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या करनी होगी। 7x2-14 अंक

न्यू वैदिक सेलेक्शन से पाँच एवं वैदिकी प्रक्रिया में से दो लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेगें। 7x2=14 अंक

Sub. Code SNK-103

दर्शन

1. दर्शन – शास्त्र (षड्दर्शन का सामान्य परिचय)
2. वेदान्त–सार – सदानन्द योगी प्रणीत
3. सांख्यकारिका – ईश्वर कृष्ण रचित (25 कारिका पर्यन्त)
4. तर्क संग्रह – अन्नमभट्ट रचित।
5. प्रत्यभिज्ञादर्शन का सामान्य परिचय।

खण्ड–क

1. षड्दर्शन पर पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

10 अंक

खण्ड–ख

2. वेदान्तसार से पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।.

10 अंक

खण्ड–ग

3. सांख्यकारिका से पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

10 अंक

खण्ड– घ

4. तर्कसंग्रह से पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

10 अंक

खण्ड– ङ

5. वेदान्तसार, सांख्यकारिका एवं तर्कसंग्रह से पूछे गए दो–दो प्रश्नों में से एक–एक की व्याख्या हिन्दी में करनी होगी। 6x3=18 अंक

खण्ड–च

6. प्रत्यभिज्ञा दर्शन से पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 12 अंक

Sub. Code - SNK-104

संस्कृत व्याकरण

सिद्धान्त कौमुदी – (कृत्य और पूर्व कृदन्त पर्यन्त)

खण्ड–क

कृत्य प्रकरण से पूछे गए चार सूत्रों में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्ये करनी होगी।

7x2=14 अंक

खण्ड–ख

कृत्य प्रकरण से पूछे गए चार सूत्रों में से किन्हीं दो शबदों की सिद्धि पूछी जाएगी। 7x2=14 अंक

खण्ड– ग

पूर्व कृदन्त से पूछे गए हिन्दीं चार सूत्रों में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या पूछी जएगी।

7x2=14 अंक

खण्ड–घ

पूर्व कृदन्त में से पूछे गए किन्हीं चार शब्दों में से दो शब्दों की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि पूछी जाएगी। 7x2=14 अंक

खण्ड– ङ

कृत्य प्रकरण एवं पूर्व कृदन्त से पूछे गए लघूत्तरीय प्रश्नों में से दो–दो करके चार प्रश्न पूछे जाऐंगें। 3½x4=14 अंक।

द्वितीय सत्र एम0ए0 सेमेस्टर (संस्कृत)

Sub Code SNK -201

इमसें निम्नलिखित कुल चार अनिवार्य पत्र होगें। प्रत्येक पत्र का पूर्णांक 70 एवं परीक्षा की अवधि तीन घंटे की होगी। आन्तरिक परीक्षा 30 अंकों की होगी। 30 अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा। लिखित परीक्षा 20 अंक+दैनन्दिन मूल्यांकन 5 अंक + संगोष्ठी 5 अंक

पत्र	विषय कूटांक	पाठ्यक्रम प्रकृति	पाठ्यक्रम खण्ड	क्रेडिट संख्या	प्रति सप्ताह अध्यापन (घंटो में)	न्यूनतम अपेक्षित अध्यापन
5	SNK-201	कौशल विकास	सामान्य संस्कृत	5	5	60
6	SNK-202	अनिवार्य	भाषा विज्ञान	5	5	60
7	SNK-203	अनिवार्य	वेद एवं दर्शन	5	5	60
8	SNK-204	अनिवार्य	संस्कृत व्याकरण	5	5	60

Sub Code SNK -201

खण्ड–क

1. मुहूर्त्त चिन्तामणि – दैवज्ञ रामाचार्य रचित

   पाठ्यांश – विवाहप्रकरण, यात्राप्रकरण, गृहप्रवेशप्रकरण, वास्तुप्रकरण।

2. छन्दोमञ्जरी –

3. मनुस्मृति – 2–3 अध्याय मात्र।

4. नीतिशतकम् – सम्पूर्ण (भतृहरि विरचित)

खण्ड– क

मुहूर्त्तचिन्तामणि से पूछे गए चार श्लोकों में से किन्हीं दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद करना होगा। 7x2-=14 अंक

खण्ड–ख

छन्दोमञ्जरी से पूछे गए चार छन्दों में से दो छन्दों के लक्षण सोदाहरण देने होंगें।

7x2=14 अंक

खण्ड–ग

मनुस्मृति से पूछे गए चार श्लोकों में से किन्हीं दो का हिन्दी में अनुवाद करना होगा।

7x2=14 अंक

खण्ड–घ

नीतिशतकम् से पूछे गए चार श्लोकों में से किन्हीं दो का हिन्दी अनुवाद करना होगा।

7x2=14 अंक

खण्ड–ङ

मुहूर्त्तचिन्तामणि, छन्दोमञ्जरी, मनुस्मृति एवम् नीतिशतकम् से पूछे गए दो–दो प्रश्नों में से एक–एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 3¼x4=14 अंक

Sub Code SNK -202

खण्ड—क

1. सामान्य भाषा विज्ञान (डॉ0 भोलानाथ तिवारी)

   भाषा एवं उसका स्वरूप, भाषा एवं बोली, भाषा का वर्गीकरण (आकृत्ति मूलक एवं पारिवारिक) ध्वनि एवं इससे सबंद्ध नियम – (ग्रिम, ग्रासमन, वर्नर)

   अर्थ परिवर्तन एवं अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।

2. संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन।

   I. भोला शंकर व्यास

   II. डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

   पाठ्यांश – उच्चारण स्थान, स्वर तथा व्यंजन ध्वनियाँ, संस्कृत वाक्यरचना, संस्कृत तथा अवेस्ता।

3. भाषाविज्ञान के विकास में भारतीय भाषाशास्त्रियों का योगदान।

खण्ड—क

भाषा एवं इसके वर्गीकरण खण्ड से पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 14 अंक

खण्ड—ख

ध्वनि एवं अर्थविज्ञान से संबंधित पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 14 अंक

खण्ड—ग

उच्चारण स्थान एवं स्वर, व्यंजन ध्वनियों से पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 14 अंक

खण्ड—घ

संस्कृत वाक्यरचना, संस्कृत अवेस्ता एवं वैदिक, लौकिक संस्कृत से पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 14 अंक

खण्ड— ङ

भाषाविज्ञान के विकास में भारतीय भाषाशास्त्रियों के योगदान पर पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 14 अंक

Sub Code SNK -203

दि न्यू वैदिक सेलेक्शन भाग–2

I शतपथ ब्राह्मण – वेदि 1.2.5.1 –10

II तैत्तिरीय आरण्यक –

पञ्चमहायज्ञ II: IXXXVI

III ईशावास्योपनिपद् (संपूर्ण)

IV निरूक्त – (प्रथम अध्याय मात्र)

V गीता – द्वितीय अध्याय

खण्ड–क

शतपथ ब्राह्मण एवं तैत्तिरीय आरण्यक से एक–एक मन्त्र का हिन्दी अनुवाद, दो–दो मंत्र पूछे जायेगें। 7x2=14 अंक

खण्ड–ख

ईशावास्योपनिषद् से दो मन्त्र का हिन्दी अनुवाद करना होगा, चार मंत्र पूछे जायेगें। 7x2=14 अंक

खण्ड–ग

निरूक्त के प्रथम अध्याय पर आधारित चार शब्दों का निर्वचन, बताना होगा, आठ शब्द पूछे जायेगें। 3½x4=14 अंक

खण्ड–घ

गीता के दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद करना होगा, चार श्लोक पूछे जाएँगे। 7x2=14 अंक

खण्ड–ङ

दि न्यू वैदिक सेलेक्शन, ईशावास्योपनिषद् एवं निरूक्त, गीता से पूछे गए दो–दो प्रश्नों में से किसी एक–एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर देना होगा। 3½x4=14अंक

Sub Code SNK -204

1. सिद्धान्त कौमुदी

   तद्धित प्रकरण – पाठ्यांश

   (अपत्याधिकार, चातुरार्थिक प्रकरण, शैषिक प्रकरण)

2. महाभाष्य (पस्पशाह्निक में लोकतः तक)

खण्ड–क

अपत्याधिकार, चातुरार्थिक प्रकरण एवं शैषिक प्रकरण से पूछे गए दस सूत्रों में से किन्हीं पाँच सूत्रों की व्याख्या करनी होगी। 5x5=25 अंक

खण्ड–ख

अपत्याधिकार, चातुरार्थिक प्रकरण एवं शैषिक प्रकरण से पूछे गए दस शब्दों में से किन्हीं पाँच की सूत्रनिर्देश पूर्वक रूपसिद्धि करनी होगी। 5x5=25अंक

खण्ड– ग

महाभाष्य से पूछे गए चार अवतरणों में से किन्हीं दो की व्याख्या पूछी जाएगी। 10x2=20 अंक

तृतीय सत्र, एम0 ए0 सेमेसटर (संस्कृत)

इसके अंतर्गत कुल चार अनिवार्य पत्र होंगें, जिसमें

प्रत्येक पत्र का पूर्णांक 70 एवं परीक्षा की अवधि तीन घंटे की होगी। आन्तरिक परीक्षा 30 अंकों की होगी।

30 अंकों का विभाजन – 20 अंक लिखित परीक्षा+5 अंक दैनन्दिन मूल्यांकन + 5 अंक संगोष्ठी

पत्र	विषय कूटांक	पाठ्यक्रम प्रकृति	पाठ्यक्रम खण्ड	क्रेडिट संख्या	प्रति सप्ताह अध्यापन (घंटो में)	न्यूनतम अपेक्षित अध्यापन
9	SNK-301	ऐच्छिक	पुराण, ज्योति धर्मशास्त्र	5	5	60
10	SNK-302	अनिवार्य	काव्य	5	5	60
11	SNK-303	अनिवार्य	गद्य एवं चम्पू	5	5	60
12	SNK-304	अनिवार्य	नाट्य एवं नाट्यशास्त्र	5	5	60

Sub Code - SNK-301

इसमें तीन शास्त्र पुराण, ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र रहेंगे, जिनमें एक शास्त्र का अध्ययन अनिवार्य होगा।

पुराण (खण्ड–क)

पाठ्यांश

पुराणों का नामकरण, वैशिष्ट्य एवं पुराणम् पञ्चलक्षणम्।

खण्ड–ख

पुराणों का काल एवं उसकी भाषाशैली

खण्ड–ग

निम्नलिखित पुराणों की समीक्षा

ब्रह्म पुराण, स्कन्द पुराण, मार्कण्डेय पुराण एवं श्रीमद् भागवत् पुराण।

खण्ड– घ

पौराणिक आख्यानों का वैज्ञानिक विश्लेषण

खण्ड–क

खण्ड–क से एक प्रश्न का उत्तर, दो प्रश्न पूछे जायेगें। (14 अंक)

खण्ड–ख

खण्ड–ख से एक प्रश्न का उत्तर, दो प्रश्न पूछे जायेगें। (14 अंक)

खण्ड–ग

खण्ड–ग से एक प्रश्न का उत्तर, दो प्रश्न पूछे जायेगें। (14 अंक)

खण्ड–घ

खण्ड–घ से एक प्रश्न का उत्तर, दो प्रश्न पूछे जायेगें। (14 अंक)

खण्ड–ङ

उपर्युक्त खण्डों से चार लघूउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेगें। (3½x4=14 अंक)

ज्योतिष

इस पत्र में गणित और फलित दोनों भाग होंगें, जिनके लिए निम्न पुस्तकें होंगी –

I. गणित ज्योतिष सूर्य सिद्धान्त

II. फलित ज्योतिष

जातक परिजात – शशिशीलाअध्याय एवं ग्रह, नाम, स्वरूपगुणभेदाध्याय।

गणित ज्योतिष के पाठ्यांश।

I. स्थानीय सूर्योदय, सूर्यास्त, दिनमान, रात्रिमान साधन

II. स्थानीय जन्म समय साधन – देशांतर, बेलान्तर संस्कार के साथ।

iii. स्थानीय पलभा, चरखण्ड, उदयमान एवं अयनांश साधन

iv. इष्टकाल साधन

v. पंचाग ज्ञान (तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण)

vi. वार प्रवृत्ति

vii. अहर्गण साधन

viii. ग्रहस्फुट साधन

ix. लग्नानयन

x. जन्मकुण्डली निर्माण

खण्ड–क

सूर्य–सिद्धांत से पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। 14 अंक

खण्ड– ख

सूर्य–सिद्धांत के चार श्लोकों में से किसी दो का अनुवाद करना होगा। 7x2=14 अंक

खण्ड– ग

जातक परिजात के दो प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर देना होगा। 14 अंक

खण्ड–घ

जातक परिजात के चार श्लोकें में से किन्हीं दो का अनुवाद करना होगा। 7x2=14 अंक

खण्ड–ङ

उपर्युक्त दोनों पुस्तकों में से पूछे गए चार लघूत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 7x2=14 अंक

धर्मशास्त्र

पाठ्यांश : याज्ञवल्वय स्मृति (व्यवहाराअध्याय)

आचाराध्याय मात्र

(क) ब्रह्मचारि प्रकरण (ख) गृहस्थ–धर्मप्रकरण (ग) ग्रहशान्ति प्रकरण

(क) ब्रह्मचारिप्रकरण से पूछे गए दो आलोचनात्मक प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। 14 अंक

ब्रह्मचारिप्रकरण में से पूछे गए दो श्लोकों में से किसी एक की व्याख्या करनी होगी। 10 अंक

(ख) गृहस्थ धर्मप्रकरण में से पूछे गए दो आलोचनात्मक प्रश्नों में से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 14 अंक

गृहस्थ धर्म प्रकरण में से पूछे गए दो श्लोको में से किसी एक श्लोक की व्याख्या करनी होगी। 10 अंक

(ग) ग्रहशान्तिप्रकरण में से पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर देना होगा। 14 अंक

ग्रह–शान्ति प्रकरण में से पूछे गए दो श्लोगों में से किसी एक का हिन्दी अनुवाद करना होगा। 08 अंक

SNK-302

दशम पत्र– काव्य

1. मेघदूतम् – उत्तरमेघ (1–25 श्लोक तक)
2. नैषधीयचरितम् – प्रथम सर्ग (25 श्लोक पर्यन्त)

खण्ड–क

मेघदूतम् से पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 14 अंक

खण्ड– ख

मेघदूतम से पूछे गए दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की संस्कृत में व्याख्या करनी होगी। 14 अंक

खण्ड–ग

नैषधीयचरितम् में से पूछे गए दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की संस्कृत में व्याख्या करनी होगी। 14 अंक

खण्ड– घ

नैषधीचरितम् में से पूछे गए दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की संस्कृत में व्याख्या करनी होगी। 14 अंक

खण्ड–ङ

मेघदूतम् एवं नैषधीयचरितम् से पूछे गए श्लोकों में से एक–एक का अनुवाद हिन्दी में करना होगा। 7x2=14 अंक

एकादश पत्र SNK-303

गद्य एवं चम्पू

कादम्बरी – कथामुखम् (आकर्ण्यताम् यदि कौतुकम्)

नलचम्पू – प्रथम उच्छ्वास

खण्ड– क

कादम्बरी से पूछे गए दो प्रश्नों में से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 14 अंक़

खण्ड– ख

कादम्बरी से पूछे गऐ दो अंशों में से किसी एक अंश की व्याख्या संस्कृत में करनी होगी। 14 अंक

खण्ड– ग

नलचम्पू से पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। 14 अंक

खण्ड–घ

नलचम्पू से पूछे गए दो अंशां में से किसी एक अंश की संस्कृत में व्याख्या करनी होगी। 14 अंक

खण्ड–ङ

कादम्बरी एवं नलचम्पू में से एक–एक हिन्दी अनुवाद पूछे जाएगें। 7x2=14 अंक

Sub Code SNK-304

नाट्य एवं नाट्यशास्त्र

1. उत्तररामचरितम् – प्रथम चार अंक।
2. मृच्छकटिकम् – प्रथम से पंचम अंक।
3. दशरूपकम् – प्रथम प्रकाश

खण्ड– क

उत्तररामचरितम् से पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। 14 अंक

खण्ड–ख

उत्तररामचरितम् से पूछे गए दो श्लोकों में से किसी एक की संस्कृत व्याख्या करनी होगी। 14 अंक

खण्ड–ग

मृच्छकटिकम् से पूछे गए दो प्रश्नों में से एक का उत्तर देना होगा। 14 अंक

खण्ड–घ

मृच्छकटिकम् से पूछे गए दो श्लोकों में से किसी एक की संस्कृत में व्याख्या करनी होगी। 14 अंक

खण्ड–ङ

दशरूपक से पूछे गए दो प्रश्नों में से एक का उत्तर देना होगा। 10 अंक

खण्ड–च

दशरूपक से पूछे गए दो लघूत्तरीय प्रश्नों में से एक का उत्तर देना होगा। 4 अंक।

Sub Code - SNK-401, 402, 403, 404

इसमें नि0 लि0 कुल चार पत्र अनिवार्य होंगें। प्रत्येक पत्र का पूर्णांक 70 एवं परीक्षा की अवधि तीन घंटे की होगी।

आन्तरिक परीक्षा 30 अंकों की होगी।

30 अंकों का विभाजन – 20+5+5 = 30

पत्र	विषय कूटांक	पाठ्यक्रम की प्रकृति	पाठ्यक्रम–खण्ड	क्रेडिट संख्या	प्रति सप्ताह अध्यापन (घंटों में)	न्यूनतम अपेक्षित अध्यापन (घंटों में)
13	SNK-401	ऐच्छिक	साहित्य एवं दर्शन	5	5	60
14	SNK-402	ऐच्छिक	साहित्य और दर्शन मौखिकी	5	5	60
15	SNK-403	अनिवार्य	साहित्य और दर्शन, लघु, शोध निबंध	5	5	60
16	SNK-404	एच्छिक लघु शोध प्रबंधक	साहित्य एवं दर्शन	5	5	60

त्रयोदश पत्र Sub Code SNK-401

इसमें दो खण्ड होंगें– साहित्य एवं दर्शन

किसी एक खण्ड का अध्ययन अपेक्षित है।

खड – क

साहित्य

काव्य प्रकाश

पाठ्यांश – (संपूर्ण) केवल दोष प्रकरण, शब्दालंकार एवं अर्थालंकार छोड़कर

खण्ड–ख

दर्शन

I. अर्थ संग्रह

लोगाक्षि भास्कर

II. सर्वदर्शन संग्रह (प्रत्यभिज्ञा दर्शन)

प्रथम खण्ड

अर्थसंग्रह से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, दो प्रश्न पूछे जायेंगें। 14 अंक

द्वितीय खण्ड

अर्थसंग्रह से दो अंशों की व्याख्या, चार अंश पूछे जाऐंगे।। 7x2=14 अंक

तृतीय खण्ड

सर्वदर्शन संग्रह से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, दो प्रश्न पूछे जाऐंगें। 7x2=14 अंक

चतुर्थ खण्ड

सर्वदर्शन संग्रह से दो अंशों की व्याख्या करनी होगी, चार अंश पूछे जाऐंगे। 7x2=14 अंक

पंचम खण्ड

अर्थसंग्रह से चार तथा सर्वदर्शनसंग्रह से तीन लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाऐंगे। 7x2=14 अंक

चतुर्दश पत्र (XIV) SNK-402

इस पत्र में दो खण्ड होंगें– साहित्य एवं दर्शन किसी एक खण्ड का अध्ययन अपेक्षित है।

साहित्य

I. ध्वन्यालोक – पाठ्यांश (प्रथम उद्योत)

II. अरस्तू का काव्यशास्त्र

खण्ड–क

ध्वन्यालोक से पूछे गए चार प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। 28 अंक

खण्ड–ख

ध्वन्यालोक की चार कारिकाओं में से दो कारिकाओं की व्याख्या करनी होगी। 7x2=14 अंक

खण्ड–ग

अरस्तू के काव्यशास्त्र से पूछे गए दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। 14 अंक

खण्ड–घ

ध्वन्यालोक एवं अरस्तू के काव्यशास्त्र से दो–दो लघूत्तरीय प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

3½x4=14 अंक

चतुर्दश पत्र (XIV) दर्शन

I. चतुःसूत्री

पाठ्यांश – अंतिम दो सूत्र शंकर भाष्य सहित

II. वेदान्त सम्प्रदाय –

(द्वैत, द्वैताद्वैत, शुद्धाद्वैत)

खण्ड– क

चतुःसूत्री से दो प्रश्न पूछे जायेंगें जिनमें एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। 14 अंक

खण्ड–ख

चतुःसूत्री से दो अंशों का हिन्दी अनुवाद करना होगा, चार अंश पूछे जाऐंगें। 7x2=14 अंक

खण्ड–ग

वेदान्त सम्प्रदाय में पूछे गए दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। 14 अंक

खण्ड–घ

वेदान्त सम्प्रदाय से पूछे गए चार अंशों में से किसी दो अंशों का हिन्दी अनुवाद करना होगा। 7x2= 14 अंक

खण्ड– ङ

उपर्युक्त पुस्तकों से चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जाऐंगें। 2x7=14 अंक

पञ्चदश (XV) = SNK-403

मौखिकी परीक्षा – 70 अंक

षोडश पत्र (XVI) SNK-404

इस पत्र में दो खण्ड होंगें **खण्ड–''क'' साहित्य तथा खण्ड ''ख'' दर्शन** उपर्युक्त खण्डों में से किसी एक खण्ड से संबंधित लघु शोध–प्रबंध प्रस्तुत करना होगा। इसका पूर्णांक 100 होगा तथा उत्तीर्णाांक 45 होगा। इसका परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

स्नातक संस्कृत पाठ्यक्रम

स्नातक संस्कृत पाठ्यक्रम के तहत त्रिवर्षीय प्रतिष्ठा, Subsidary एवं General (Pass Course) के पाठ्यक्रर्मो को C.B.C.S. पाठ्यक्रम पद्धति के आलोक में छः समसत्रों में समाविष्ट किया गया है।

स्नातक प्रतिष्ठा संस्कृत पाठ्यक्रम के अंतर्गत छः समसत्रों में से प्रथम एवं द्वितीय समसत्रों में दो–दो पत्रों के आधार पर कुल चार पत्रों को 80+20 अंक के आधार पर समाविष्ट किया गया है। तृतीय एवं चतुर्थ समसत्रों के क्रम में द्वितीय वर्ष में तीन–तीन पत्रों यथा– पंचम, षष्ठ, सप्तम, अष्टम, नवम और दशम को रखा गया है। तृतीय वर्ष के दो समसत्रों यथा– पंचम एवं षष्ठ समसत्रों के अंतर्गत दो–दो पत्रों के योग से कुल चार पत्रों यथा–एकादश, द्वादश, त्रयोदश और चर्तुदश पत्रों को समाविष्ट किया गया है। इस प्रकार C.B.C.S. पाठ्यक्रम के तहत स्नातक संस्कृत प्रतिष्ठा के कुल चौदह पत्र होंगें।

संस्कृत प्रतिष्ठा के अतिरिक्त अन्य प्रतिष्ठा के विषयों के लिए स्नातक प्रथम एवं द्वितीय खण्डों को चार समसत्रों में विभक्त किया गया है, जिनमें प्रथम समसत्र में द्वितीय पत्र, तृतीय समसत्र में तृतीय पत्र एवं चतुर्थ समसत्र में चतुर्थ पत्र के पाठ्यक्रम का निबंधन है।

General एवं Pass Course के त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के तहत छः समसत्रों में प्रथम से लेकर षष्ठ पत्रों के पाठ्यक्रम की व्यवस्था है, जबकि तृतीय से लेकर षष्ठ समसत्रों के लिए 50–50 अंकों के चार पत्रों की व्यवस्था के तहत कुल दो पत्रों को समायोजित कर आठ पत्रों की व्यवस्था है।

इस प्रकार स्नातक संस्कृत पाठ्यक्रम के अंतर्गत कुल 26 पत्रों की व्यवस्था है।